12.03 hrs.

STATEMENT BY MINISTER

Rail Accident of Jalandhar-Pathankot Passenger (DMU) and Jammu Tawi Express between Jalandhar-Pathankot Section of Ferozepur Division

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष महोदय, मुझे अफसोस है कि कल पूर्व प्रधानमंत्री, माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी मुझे सदन में ढूंढ रहे थे। मुझे इस बात के लिए बहुत अफसोस है क्योंकि आप रेल हादसे के मामले में मेरे द्वारा बयान सुनना चाहते थे।

अध्यक्ष महोदय, आपको इस अवस्था में जो तकलीफ हुई होगी, उसके लिए मुझे खेद है। मुझे जिन माननीय सदस्यों ने बताया, मैं कोई कमेंट नहीं कर रहा हूं।.(व्यवधान)

श्री ब्रज किशोर त्रिपाठी (पुरी) : आपको रेल हाससे के बारे में क्या कहना है, वह बताइए?.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Please place your statement.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: He is placing the statement.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : श्री लालू जी, आप स्टेटमेंट पढ़िए।

.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: He has expressed his regret for not being present here. You are not allowing him to express regret.

. (*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए। लालू जी, आप स्टेटमेंट पढ़िए।

.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: He has expressed regret. You do not want even that.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Minister, please read the statement.

श्री लालू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, मैंने आपसे टेलीफोन पर पटना से आग्रह किया था कि मैं पांच बजे आ रहा हूं, आप समय निर्धारित कर लीजिए। आनन-फानन में हम आए। हम इसी सदन के सदस्य हैं और इस

सदन में कभी भी, किसी भी माननीय सदस्य का अनादर करना हमारा फेशन नहीं है। मैं जब आया तो मुझे मालूम हुआ कि हाउस को एडजर्न कर दिया गया है।.(व्यवधान)

श्री विजयेन्द्र पाल सिंह (भीलवाड़ा) : जो मर गए हैं, उनका आपको अफसोस नहीं है।.(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : आप पीछे छिप कर बात मत करिए।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : लालू जी, आप बोलिए।

.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I will look into it. I could not follow it. So, I will look into it.

. (*Interruptions*)

श्री लालू प्रसाद : जब मैं आया तो मुझे मालूम हुआ कि हाउस एडजर्न हो गया है। मैं राज्य सभा में बयान देना चाहता था, लेकिन वहां मेरी बात को सुना नहीं गया।.(व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष जी, राज्य सभा की बात यहां नहीं होनी चाहिए।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are right. I uphold your opinion.

. (*Interruptions*)

Comment [R12]: O1fd

श्री लालू प्रसाद : दिनांक 14.12.2004 को लगभग 12 बजे जालंधर से पठानकोट जा रही एक जे.एम.पी. डीजल मल्टीपल यूनिट पैसेंजर गाड़ी, जम्मूतवी अहमदाबाद एक्सप्रैस (गाड़ी सं. 9112) से टकरा गई। जालंधर पठानकोट पैसेंजर के दो सवारी डिब्बे उलट गए और जम्मूतवी एक्सप्रैस गाड़ी के दो सवारी डिब्बे पटरी से उतर गए। दुर्घटना भंगाला और मीरथल स्टेशनों के बीच हुई, जो उत्तर रेल के फिरोजपुर मंडल के जालंधर पठानकोट खंड पर है। यह स्थल पंजाब के होशियरपुर जिले में है।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पठानकोट और लुधियाना से मेडीकल वैन का तुरन्त प्रबन्ध किया गया। पठानकोट की मेडीकल वैन अपरान्ह एक बजे तथा लुधियाना की मेडिकल वैन 2 बजकर 50 मिनट पर पहुंची।

संसद में बयान देने के बाद मैंने रेल राज्य मंत्री, अध्यक्ष रेलवे बोर्ड तथा अन्य उच्च अधिकारियों के साथ दुर्घटना स्थल पर जाकर निरीक्षण किया और उन अस्पतालों में गए, जहां घायलों को भर्ती किया गया था। अस्पताल के प्राधिकारियों को उच्च प्राथमिकता पर आवश्यक चिकित्सा सहायता मुहैया कराई गई।

दुर्घटना का कारण प्रथम दृष्टया मानवीय विफलता प्रतीत होती है। यह पाया गया कि सम्बन्धित दोनों स्टेशन भंगाला एवं मीरथल के ब्लाक उपक्रम एक दिन पहले से खराब थे। मैंने सदस्य, बिजली, रेलवे बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह ब्लाक उपकरण की खराबी के कारण एवं उसके लिए जिम्मेदार कर्मचारियों

एवं अधिकारियों को चिन्हित करें ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। ऐसी स्थिति में नियमानुसार दोनों स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों को पेपर लाइन क्लियर की प्रणाली के तहत गाड़ियों का संचालन करना होता है। इस प्रणाली में एक स्टेशन के स्टेशन मास्टर को जहां से गाड़ी छूटनी होती है, उसके लिए लाइन क्लियर अगले स्टेशन के स्टेशन मास्टर से प्राइवेट नम्बर के आदान-प्रदान करके लिया जाता है। स्पष्टतया यह प्रतीत होता है कि निर्धारित नियमों का अनुपालन सम्बन्धित स्टेशन मास्टरों ने सही तरीके से नहीं किया और एक ही सेक्शन में दोनों तरफ से गाड़ियों को सेक्शन में छोड़ दिया, जिसके कारण यह टकराव हुआ।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर रेलवे दुर्घटना की वैधानिक जांच कर रहे हैं, जो कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच करेंगे एवं भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए उचित सुझाव देंगे।

इस घटना में मृतकों एवं घायलों की संख्या इस प्रकार है। मृतकों की संख्या 38, घायलों की संख्या 52, जिनकी अस्पताल से छुट्टी की जा चुकी है-13, जो अभी अस्पताल में भर्ती हैं-39. मुकेरियां, दसूआ, जालंधर और लुधियाना के अस्पतालों में ये लोग हैं।

मैंने निम्नानुसार अनुग्रह राशि की घोषणा की है। मृतकों के मामले में तत्काल एक लाख रुपये, गम्भीर रूप से घायलों को तत्काल 15 हजार रुपये और मामूली रूप से घायलों को पांच हजार रुपये।

उक्त तत्काल राहत के अलावा रेलवे दावा प्राधिकरण के द्वारा निर्धारित मृतकों के आश्रितों को 4 लाख रुपया एवं घायलों को भी प्राधिकरण द्वारा निर्धारित राशि का मुआवजा दिया जायेगा। मारे गये व्यक्तियों के आश्रितों एवं इस दुर्घटना से अपंग हुए व्यक्तियों को रेलवे में रोजगार मुहैया कराया जाएगा। मुझे ज्ञात हुआ है कि माननीय मुख्यमंत्री, पंजाब ने भी मृतकों के आश्रितों को एक-एक लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

मैंने निर्देश दिया है कि घायलों का मुफ्त इलाज रेलवे की तरफ से कराया जाएगा एवं इलाज के पश्चात उन्हें अपने परिजनों के पास रेल के खर्चे पर पहुंचाया जायेगा।

भंगाला और मीरथल दोनों स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों को निलम्बित कर दिया गया है। दोनों स्टेशन मास्टरों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है, लेकिन आज हमें मालूम हुआ है कि एक गिरफ्तार हो गये हैं और दूसरे एक्सपेंड कर रहे हैं। पुलिस द्वारा उनकी खोज जारी है। सम्बन्धित सेक्शन इंजीनियर (निर्माण) एवं सेक्शन इंजीनियर (दूरसंचार) को भी निलम्बित कर दिया गया है।

लाइन को 15.12.2004 को सुबह 2 बजकर 30 मिनट पर बहाल कर दिया गया है और पहली गाड़ी 4 बजकर 10 मिनट पर गुजर चुकी है।

अध्यक्ष महोदय, प्रथम दृष्टया भारतीय रेल के इतिहास में, हम सदन की तरफ से कहना चाहेंगे कि हमारे जो भाई-बहन उसमें मारे गए हैं, उनके प्रति एक मिनट का मौन रखा जाए।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Yesterday we have done it.

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Mr. Malhotra, just a minute. Please let me conduct the proceedings. You know that you are not entitled to it as per rules. But you made a special request. I will allow you one question. This is not to be taken as a precedent, but only as a special case.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, in this very House, many a time discussion took place after the statement. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I am prepared to allow a discussion. Then you wait for a discussion. I will allow the discussion next week.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : आज से ही डिस्कशन शुरू कर देते हैं।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: There is other business today. I will allow it on Monday.

. (*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Mr. Speaker, Sir . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: If you put a question, then there will be problem.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : I will ask only two or three questions.

MR. SPEAKER : No, if you want a discussion, then why do you put questions now?

. (*Interruptions*)

संसदीय कार्य मंत्री तथा शहरी विकास मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद) : अध्यक्ष महोदय, अगर सोमवार को डिस्कशन होगा तो आज सवाल नहीं पूछा जाएगा। अगर आज यह सवाल पूछेंगे तो सोमवार को डिस्कशन नहीं होगा। .(व्यवधान)

MR. SPEAKER: If you are insisting on a discussion, then you give a notice. I shall see to that. But if you want a question here, then there will be trouble.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : हम जानना चाहते थे कि जब सत्र चल रहा था और वहां इतनी भीषण दुर्घटना हुई,.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह बात छोड़िए।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Kindly let me ask two or three specific questions. . (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I have decided what to do. I said either question or discussion.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : मंत्री महोदय वहां की दुर्घटना के बाद दिल्ली आने के बजाए बिहार क्यों गए, किस बात के लिए गए? इन्होंने इस सदन की अवमानना की, सदन की गरिमा नष्ट की, सदन के महत्व को नष्ट किया और इसके लिए माफी भी नहीं मांगी।.(व्यवधान)

इन्होंने वहां जांच शुरू होने से पहले ही घोषणा कर दी।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिए। आपकी बात हो गई है। मंत्री जी जवाब दे देंगे।

...(व्यवधान)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : The Railway Minister has said that it is a cold-blooded murder. मर्डर का मुकदमा किस पर चलेगा? मंत्री महोदय हों या उससे ऊपर हों, डेमोक्रेसी में मुकदमा चलता है। इन्होंने तीनों बातों पर न सदन में आकर बयान दिया, न उसकी घोषणा की। वहां जांच बिठा दी। इन्होंने अपने उत्तर में कहा है कि वहां 35 लोग मर गए हैं। जितने लोग मरे हैं, ये उतने मिनट भी वहां नहीं रहे, वहां से एकदम बिहार चले गए।.(व्यवधान) ये सिवाए रेलवे के और कोई काम नहीं देख रहे हैं।.(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is enough. You have made your point.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : अध्यक्ष महोदय, हम इससे बिल्कुल डिससैटिसफाइड हैं और इस पर आपत्ति करते हैं।.(व्यवधान) इन्होंने जिस प्रकार व्यवहार किया.(व्यवधान) इन्होंने इस्तीफा भी नहीं दिया। हम इसके प्रोटैस्ट में वाक आउट करते हैं।

12.13 hrs.

Prof. Vijay Kumar Malhotra and some other Hon. Members then left the House

. (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please sit down. When I stand up, you must sit down. No, I will not allow. Please sit down.

. (*Interruptions*)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : ये जवाब सुनने के बाद डीरेल कर गए हैं।.(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ जी, जब हम खड़े रहेंगे तब आपको बैठना होगा। प्लीज़ बैठिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: This is the right of the hon. Members to walk out. This is nothing new. Therefore, when they are walking out, you need not get agitated. We shall continue with the business.

Item No. 10, Shri H.R. Bhardwaj.